खबर संक्षेप

नर्स से छेड़छाड़ का आरोपी पहुंचा जेल

शहडोल। जिले के देवलोंद पुलिस ने नर्स से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। घटना एक सरकारी अस्पताल में हुई थी, जहां ड्यूटी में तैनात नर्स सडक हादसे में घायल मरीजों का इलाज कर रही थी, तभी आरोपी पहुंचा और नर्स से छेड़छाड़ की , घटना को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गया था, शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी सुभाष दुबे ने बताया पीड़िता की शिकायत पर आरोपी राजेश बैस पिता रामकरण बैस निवासी बुड़वा पर कई धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई और कुछ घंटों में ही आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

भालू का तांडवः भुट्टे की फसल को किया बर्बाद

शहडोल। जिले के केशवाही वन परिक्षेत्र के बलबहरा गांव में पिछले एक सप्ताह से भालू का आतंक बना हुआ है। दिन-दहाड़े रिहायशी इलाके में भालू के घूमने से ग्रामीणों में खौफ का माहौल है। जानकारी के अनुसार, भालू ने गांव के खेतों में घुसकर भुट्टे की फसल को नुकसान पहुंचाया है। स्थानीय ग्रामीण रामप्रताप सिंह ने बताया कि कुछ दिन पहले भालू राम मंदिर के पास देखा गया था। ग्रामीणों ने शोर मचाकर उसे खदेड़ा, लेकिन वह दोबारा खेतों में लौट आया। ग्रामीणों ने भालू के खेतों में भागते हुए मोबाइल कैमरे में वीडियो भी कैद की है। ग्रामीणों ने बताया कि वन विभाग को इसकी सूचना पहले भी दी गई थी, लेकिन अब तक भालू की आवाजाही जारी है। केशवाही रेंजर अंकुर तिवारी ने बताया कि क्षेत्र के जंगलों में कई भालू रहते हैं, जो कभी-कभी भोजन और पानी की तलाश में गांवों की ओर आ जाते हैं।वन विभाग ने दो टीमें गश्ती पर तैनात की हैं और ग्रामीणों को सतर्क रहने एवं रात में अकेले न निकलने की सलाह दी है। फिलहाल भालू फिर जंगल की ओर लौट गया है, लेकिन गांव में अब भी दहशत बरकरार है।

अब बिना पंजीकृत फार्मासिस्ट के नहीं बिकेंगी दवाए

शहडोल। दवा वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता और जनहित को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश राज्य फार्मेसी काउंसिल, भोपाल ने बड़ा कदम उठाया है। काउंसिल ने राज्य के सभी अस्पतालों, फार्मेसी एवं मेडिकल स्टोर संचालकों को निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि अब से दवाओं की बिक्री, वितरण या डिस्पेंसिंग केवल पंजीकृत फार्मासिस्ट की उपस्थिति में ही की जा सकेगी। काउंसिल द्वारा यह आदेश फार्मेसी अधिनियम 1948 की धारा 42 एवं जनसेवा 2023 के तहत जारी किया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि यदि किसी संस्थान में बिना पंजीकृत फार्मासिस्ट के दवाओं की बिक्री या वितरण पाया गया तो संबंधित व्यक्ति एवं संस्था के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी, साथ ही फार्मासिस्ट का पंजीकरण निलंबित या निरस्त भी किया जा सकता है।

शहडोल रेंज में हंसी का विषय बना मामला

पुलिस का स्कूटी में शराब ढुलाई का विश्व रिकॉर्ड

आधी रात बगैर सूचना शराब दुकान में घुसी कोतमा पुलिस

शहडोल। मध्य प्रदेश पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाती एक 'अनूठी' एफआईआर इन दिनों चर्चा में है। अनूपपुर जिले के कोतमा थाना प्रभारी रत्नाकर शुक्ला और उनकी टीम ने ऐसी एफआईआर दर्ज की है, जिसमें स्कूटी पर 12 पेटी (52.8 लीटर) शराब करीब 80 किलोमीटर दूर शहडोल जिले के धनपुरी से लाने का दावा किया गया है। आधी रात को पुलिसकर्मियों का बाउण्ड्री कूदना और बिना स्थानीय थाने को सूचना दिए छापा मारना इस मामले को और संदिग्ध बना देता है। संभाग के अनूपपुर जिले की कोतमा पुलिस ने बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात एक ऐसी कार्रवाई की, जिसने पूरे शहडोल पुलिस रेंज को चौंका दिया। थाना कोतमा में दर्ज एफआईआर क्रमांक 0447/2025 में लिखा है कि आरोपी केशव चौधरी अपनी स्कूटी क्रमांक एमपी 65 एसए 0558 से 12 पेटी (52.800 लीटर) अंग्रेजी शराब लेकर धनपुरी जिला शहडोल से कोतमा आया था। इतना ही नहीं एफआईआर में यह भी उल्लेख है कि आरोपी ने यह शराब कम्पोजिट दुकान धनपुरी बघईया नाला से खरीदी थी, जो कोतमा से लगभग 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। सवाल उठता है कि क्या स्कूटी अब मिनी ट्रक बन गई है? पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार कार्रवाई रात 11:20 बजे हुई और आरोपी को 23:20 बजे गिरफ्तार किया गया, लेकिन इसी दौरान घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया। कोतमा थाना प्रभारी रत्नाकर शुक्ला के निर्देश पर सिविल ड्रेस में तीन पुलिसकर्मी सहायक उपनिरीक्षक श्यामलाल मरावी, प्रधान आरक्षक मनोज उपाध्याय और आरक्षक अभय त्रिपाठी धनपुरी थाना क्षेत्र में पहुंचे और वहां स्थित शासकीय शराब दुकान की बाउंड्री कूदकर अंदर घुस गए।

गुंडों की तरह घुसी पुलिस

शराब दुकान के ठेकेदार दिग्विजय सिंह और सेल्समैनों ने अपनी शिकायत में बताया कि रात लगभग 12:30 बजे दुकान का शटर पीटा जाने लगा। अंदर मौजूद सेल्समैन ने आवाज लगाई कि दुकान बंद है, सुबह आना, लेकिन बाहर से धमकी दी गई, दरवाजा खोलो, वरना ठीक नहीं होगा। जब उन्होंने झरोखे से देखा तो दो व्यक्ति सिविल ड्रेस में, चप्पल पहने हुए, किसी गुंडे-बदमाश की तरह खड़े दिखाई दिए। थोड़ी देर में यह खुलासा हुआ कि ये कोई लुटेरे नहीं बल्कि कोतमा पुलिस के जवान थे। उनके साथ मौजूद वैन (सीजी 16 सीजे 3850) में खाकी वर्दी में बैठे दो सितारे वाले अधिकारी ने खुद को पुलिसकर्मी बताया। मौके पर पहुंचे धनपुरी और अमलाई थाना प्रभारी खेम सिंह पेंद्रो और जे.पी.शर्मा दोनों ने पुष्टि की कि उन्हें कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई थी।

12 पेटी स्कूटी बनी ठहाकों का विषय

एफआईआर में जिस स्कूटी का उल्लेख है, उसकी कीमत 80 हजार रुपये और जप्त शराब की कीमत 72 हजार रुपये बताई गई है। कोतमा पुलिस का यह दावा न केवल हास्यास्पद है बल्कि तर्कहीन भी है कि एक स्कूटी पर 12 पेटी यानी करीब 53 लीटर शराब कैसे लादी जा सकती है? पुलिस के इस कमाल ने सोशल मीडिया और पुलिस रेंज दोनों में ठहाके छुड़ा दिए हैं।

धनपुरी प्रेम नहीं छूटता

सूत्र बताते हैं कि कोतमा थाना प्रभारी रत्नाकर शुक्ला पहले धनपुरी में पदस्थ रह चुके हैं और वहीं से उनका स्पेशल कनेक्शन अब तक बरकरार है। धनपुरी में उनके कुछ खास मुखबिर हैं जो पत्रकारिता का लिबास ओढ़े रहते हैं। जब भी व्यवस्था की जरूरत होती है, वहां से सूचना और सेटिंग दोनों पहुंच जाती हैं। यही वजह है कि श्री शुक्ला अपने मातहत कर्मचारियों को आधी रात को बिना अनुमति और बिना वारंट के छापा मारने भेज देते हैं।

पुलिस ने खुद को ही फंसा लिया

धनपुरी शराब दुकान के ठेकेदार दिग्विजय सिंह ने शहडोल पुलिस अधीक्षक, डीआईजी रेंज और डीजीपी मध्यप्रदेश को शिकायत भेजते

हुए कहा है कि यह कोई छापा नहीं बल्कि एक अवैधानिक ड्रामा था। उनके अनुसार, कोतमा पुलिस ने आधी रात में सरकारी दुकान में जबरिया घुसकर दुकान की दीवार और बाउंड्री फांदी और बाद में दावा कर दिया कि आरोपी ने यहीं से शराब खरीदी थी। जिस एफआईआर में स्कूटी पर 12 पेटी शराब लादकर 80 किलोमीटर सफर का दावा किया गया है, वह अब पुलिस की ही किरकिरी का कारण बन गई है। सवाल यह भी है कि अगर धनपुरी थाना क्षेत्र में सरकारी दुकान से शराब लाने की बात दर्ज है, तो क्या कोतमा पुलिस ने धनपुरी थाने को सूचना दी थी?

बीएमओ के लिए दो गुटों में बटी भारतीय जनता पार्टी

एक पक्ष में मंडल अध्यक्ष, दूसरे में जनपद अध्यक्ष

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर का सियासी रंगअब खुलकर दिख रहा है, वह भी उस अस्पताल की आड़ी-तिरछी फाइलों पर, जहां मरीजों के दर्द की जगह नेता-दलो की रंजिश ने ज़्यादा शोर मचाया है। एक ओर भाजपा मंडल अध्यक्ष श्रीमती जयश्री कचेर ने विधायक तक पत्र लिखकर बीएमओ डॉ. आनंद प्रताप सिंह का खुलकर समर्थन कर दिया है, वहीं दूसरी ओर भाजपा समर्थित जनपद अध्यक्ष श्रीमती मालती सिंह ने कलेक्टर को वही बीएमओ हटाने और सख्त जांच की सिफारिश भेजी है और इस बीच पूरा जयसिंहनगर दो धड़ों में बंट गया है। विवाद सार्वजनिक और सोशल सर्किट में भी गरमाया हुआ है।

मंडल अध्यक्ष का पत्र

मंडल अध्यक्ष के पत्र में बहुत सीधे शब्दों में कहा गया है कि डॉ. आनंद प्रताप सिंह के कार्यकाल में पिछले चार महीनों में जयसिंहनगर सिविल अस्पताल में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं सुधरी हैं। पत्र में यह भी दावा किया गया है कि सीसीटीवी, ऑनलाइन ओपीडी पर्ची व्यवस्था, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्रों के लिए अलग व्यवस्था जैसी व्यवस्थाएं लागू कराई गईं, ऐसे सुधारों का जिक्र कर विधायक से बीएमओ को यथावत बनाए रखने की गुहार लगाई गई है। यह पत्र मंडल अध्यक्ष के लेटरहेड पर विधायक को सौंपा गया और इसका लॉजिक सीधा है , अच्छा काम हो रहा है, आगे भी रहने चाहिए।

जनपद अध्यक्ष का पत्र

दूसरी तरफ जनपद अध्यक्ष मालती सिंह द्वारा कलेक्टर के नाम भेजे पत्र में बीएमओ पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं, भ्रष्टाचार, कर्मचारियों व मरीजों के साथ अभद्र व्यवहार, अस्पताल परिसर में शराबखोरी और झूठे एफआईआर कराना जैसी गंभीर शिकायते सूचीबद्ध हैं। पत्र में अनुरोध है कि बीएमओ को हटाकर उच्चस्तरीय जांच कराई जाए ताकि जनपद के लोगों को न्याय मिल सके और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित हो। इस पक्ष का स्वर साफ है कि बीएमओ ही समस्या हैं, उन्हें हटाओ।

दुविधा में फंसे मरीज

जयसिंहनगर में सत्ता का रंग बदला नहीं पर रंगरूट बदल गए हैं, चुनी हुई जनप्रतिनिधि एक तरफ, वही पार्टी की मंडल अध्यक्ष दूसरी तरफ और बीच में अस्पताल, कर्मचारी, मरीज और जनता, जो निर्णय की जगह दुविधा में फंस चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब उसी पार्टी के अंदर दो अलग-लग पत्र जिला प्रशासन और विधानसभा तक जा रहे हों तो सवाल सिर्फ डॉ. आनंद के चरित्र का नहीं रह जाता, बल्कि उस राजनीतिक संस्कृति का बन जाता है जो हर वक्त अपने हित में मामलों को मोड़ देती है।

प्रेमिका से मिलने आया नशे का सौदागर गिरफ्तार

पिस्टल-कारतूस और लग्जरी कार जप्त

शहडोल। इश्क का नशा इस बार असली नशे के सौदागर पर भारी पड़ गया। विंध्य क्षेत्र का कुख्यात नशा तस्कर रमेश जायसवाल आखिरकार शहडोल पुलिस के हत्थे चढ़ गया। कोतवाली पुलिस ने आरोपी को उस वक्त दबोचा जब वह अपनी प्रेमिका से मिलने शहडोल पहुंचा था। तलाशी में उसके पास से 7.65 एमएम की देशी पिस्टल, 14 जिंदा कारतूस, 5 मोबाइल फोन, 65 हजार रुपए नगद और एक लग्जरी कार बरामद की गई।

मूल रूप से ग्राम खाड़ा, थाना रामपुर नैकिन जिला सीधी निवासी रमेश जायसवाल पर अमरपाटन, रामपुर नैकिन और शहडोल सहित कई थानों में नशा तस्करी के गंभीर अपराध दर्ज हैं। पुलिस को उसकी लंबे समय से तलाश थी। जानकारी के अनुसार प्रेमिका से विवाद के बाद मामला थाने तक पहुंचा, जहां जांच के दौरान उसकी असली पहचान सामने आई। पुलिस का कहना है कि रमेश जायसवाल विंध्य का सबसे बड़ा ड्रग सप्लायर है, जिसकी गिरफ्तारी मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद चलाए जा रहे अभियान की बड़ी सफलता मानी जा रही है। वहीं पुलिस उसे विंध्य का ड्रग किंग बताकर कड़ी पूछताछ में जुटी है।

इनका कहना है...

एनडीपीएस का फरार आरोपी रमेश जायसवाल के शहडोल में घूमने की सूचना पर उसे कार समेत पकड़ा है, जिसके पास से देशी पिस्टल सहित अन्य सामग्री जप्त कर वैधानिक कार्यवाही की गई है।

अभिषेक दीवान
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शहडोल

युवा शक्ति राष्ट्र की सबसे बड़ी संपदा: कुलगुरू

पं. शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में युवा उत्सव का किया गया आयोजन

शहडोल। पं. शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में युवा उत्सव आयोजित किया गया। युवा उत्सव को सम्बोंधित करते हुए कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र की सबसे बड़ी संपदा है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों की रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता दोनों का विकास होता है। कुलसचिव प्रो. आशीष तिवारी ने कहा कि युवा उत्सव न केवल प्रतिस्पर्धा का मंच है, बल्कि यह सहयोग, सौहार्द और सांस्कृतिक चेतना का उत्सव भी है। युवा उत्सव को सम्बोंधित करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार पाण्डेय ने कहा युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा देने के लिए ऐसे कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं। इनसे छात्र अपने भीतर छिपी प्रतिभा को पहचान पाते हैं। युवा उत्सव के अवसर पर रंगोली, क्ले मॉडलिंग, स्पॉट पेंटिंग, कोलाज, कार्टून पोस्टर एकांकी, मिमिक्री, मूक अभिनय एवं स्किट प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गई। सभी प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन विश्वविद्यालय की निर्णायक समितियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. गीता सराफ, डॉ. सुषमा नेताम, डॉ. पूर्णिमा शर्मा, प्रो. सुनीता बाथरे, प्रो. चेतना सिंह, प्रो. अनिल गुप्ता, डॉ. प्रज्ञा यादव, डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. धानी जामोद, डॉ. संगीता धुर्वे सहित अन्य विश्वविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन संयोजक प्रो. मनीषा तिवारी एवं सह-संयोजक डॉ. गंगाधर ढोके द्वारा किया गया।

मध्यस्थता अभियान के तहत 65 प्रकरणो का किया गया निराकरण

शहडोल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल द्वारा चलाया गया 90 दिवसीय राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल द्वारा कुल 65 प्रकरण एवं समेकित रूप से मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा 4552 प्रकरणो का सौहार्दपूर्ण ढंग से निराकरण किया गया। जिनमें काफी संख्या में लंबे समय से लंबित प्रकरण भी शामिल थे। निपटाए गए मामलों में वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावे, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस के मामले, आपराधिक समझौता योग्य मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, बंटवारा, बेदखली, भूमि अधिग्रहण सहित अन्य संबंधित दीवानी मामले शामिल थे। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) और मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति के निर्देशानुसार 1 जुलाई से 7 अक्टूबर 2025 तक राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य राज्य भर में तालुका न्यायालयों से लेकर उच्च न्यायालयों तक न्यायपालिका के सभी स्तरों पर मध्यस्थता के माध्यम से लंबित प्रकरणो का निराकरण कराना।

अनुशासन एवं मानवीय संवेदना अच्छे डॉक्टर की पहचानः डीन

बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में 15 दिवसीय फाउंडेशन कोर्स सम्पन्न

शहडोल। बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में सत्र 2025-26 के नव प्रवेशित एम.बी.बी.एस. छात्रों के लिए 15 दिवसीय फाउंडेशन कोर्स का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। 15 दिवसीय फाउंडेशन कोर्स के समापन अवसर पर डीन मेडिकल कॉलेज डॉ. गिरीश बी. रामटेके ने कहा कि एक अच्छा डॉक्टर केवल ज्ञान से नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, अनुशासन और मानवता की भावना से पहचाना जाता है। उन्होंने कहा कि छात्रों को रोगियों के प्रति सहानुभूति रखने और सेवा भाव से कार्य करें। इस अवसर पर फाउंडेशन कोर्स के विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई, जिनमें 'महाविद्यालय का इतिहास और उद्देश्य, शैक्षणिक ढाँचा, उपस्थिति एवं आंतरिक मूल्यांकन प्रणाली, अनुशासन एवं आचरण के मानदंड, तथा मेंटॉरशिप कार्यक्रमों की उपयोगिता शामिल थे। कार्यक्रम में प्रोफेसर डॉ. सुनील तिडके (एनाटॉमी),

'डॉ. मितेश सिन्हा (फिजियोलॉजी), डॉ. विक्रांत कबीरपंथी (कम्युनिटी मेडिसिन) एवं डॉ. किरण टांडिया (जनरल मेडिसिन) ने भी अपने -अपने विचार साझा किए। शासकीय बिरसा मुंडा चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल में फाउंडेशन कोर्स का शुभारंभ 22 सितम्बर से किया गया था। जिसका उद्देश्य छात्रों को चिकित्सा शिक्षा की मूलभूत अवधारणाओं, नैतिक मूल्यों और संस्थागत संस्कृति से परिचित कराना था।

गरीबी रेखा पर अमीरी की सवारी

चर्चा में जयसिंहनगर भाजपा मंडल अध्यक्ष का 'गरीबी प्रेम'

शहडोल।

यह देश सचमुच अवसरों का देश है, यहां गरीबों को गरीबी से नहीं, बल्कि अमीरों को गरीबी की सूची से प्रेम हो जाता है और इस प्रेम की सबसे ताजी मिसाल हैं भाजपा मंडल जयसिंहनगर की अध्यक्ष श्रीमती जयश्री कचेर हैं, जो चार पहिया वाहन में घूमती हैं, पक्के मकान में रहती हैं, अपनी मार्केट की बिल्डिंग में मनिहारी दुकान चलाती हैं, फिर भी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाली बताई गई हैं। गरीबों के हक का राशन, उनका निवाला और योजनाओं का लाभ सब कुछ अब उन तक नहीं, बल्कि उनके स्वयंभू शुभचिंतकों तक पहुंच रहा है। यह वही गरीबों की हमदर्द पार्टी है, जिसके नेता मंचों से तालियां बटोरते हुए कहते नहीं थकते कि हम गरीबों के लिए हैं, गरीबों के साथ हैं। अब शायद यह भी जोडऩा पड़ेगा और गरीबों के हक पर भी हैं।

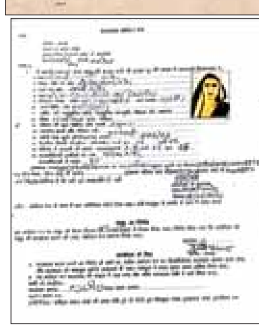

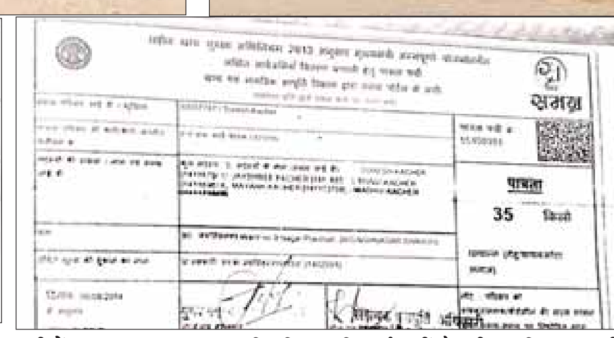

'गरीबी रेखा' की लिस्ट में मंडल अध्यक्ष का नाम!

जयसिंहनगर नगर परिषद के गरीबी रेखा सर्वे सूची में नाम दर्ज है, जयश्री कचेर, सीरियल क्रमांक 579/09। अब सोचिए, जो महिला स्वयं फोर व्हीलर की मालकिन हैं, पक्का मकान रखती हैं, मार्केट में दुकान चलाती हैं, वह सरकार की उस सूची में शामिल हैं जो वास्तव में उन परिवारों के लिए बनाई गई थी, जो दो वक्त की रोटी को तरसते हैं, ऐसे में सवाल उठता है कि क्या प्रशासन ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है या फिर सत्ता का रसूख इतना भारी है कि सूची बनाते वक्त अफसरों ने भी कलम से गरीबी को वीआईपी स्टेटस दे दिया?

नई राजनीतिक उपलब्धि

जहां आम नागरिक को गरीबी रेखा में नाम दर्ज कराने के लिए कागजों की जद्दोजहद करनी पड़ती है, वहां सत्ता से जुड़ा चेहरा बिना किसी हिचकिचाहट के गरीबों की सूची में दर्ज है। भाजपा के मंचों पर गरीब कल्याण के नारों की गूंज भले ही आसमान तक पहुंचती हो, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि गरीबों का कल्याण अब नेताओं का कल्याण बन चुका है। अगर यही सबका साथ, सबका विकास है, तो फिर गरीब जनता को यह भी समझ लेना चाहिए कि विकास की गाड़ी उनके दरवाजे तक नहीं, बल्कि किसी बड़े बंगले के पार्किंग तक ही पहुंचेगी।

कांग्रेस की चुप्पी भी कम दिलचस्प नहीं

जयसिंहनगर में कांग्रेस शायद मौन साधना पर चली गई है। विपक्ष की भूमिका निभाने वाली पार्टी की चुप्पी अब सवालों से भी ज्यादा भारी लगती है। क्या कांग्रेस को यह अनियमितता दिखाई नहीं दे रही या फिर वह भी सत्ता के इस खेल का हिस्सा बन चुकी है? जनता पूछ रही है कि कहां गए वे नेता जो अन्याय और भ्रष्टाचार पर गरजते थे?

भ्रष्टाचार पर अफसरों की चुप्पी

सरकारी अधिकारी तो पहले ही सत्ता के रौब में बेलगाम नौकरशाही का उदाहरण बन चुके हैं। जब सत्ताधारी दल की मंडल अध्यक्ष गरीबी रेखा का लाभ उठाएं, तो उनसे कार्यवाही की उम्मीद करना शायद भोलेपन की पराकाष्ठा होगी। अफसरों को मालूम है कि यदि उन्होंने गरीबी की नकली पहचान पर सवाल उठाया, तो उनकी फाइलें भी ठंडी तह में दबा दी जाएंगी।

ढोल में पोल और पोल में रौब

भाजपा नेता मंचों पर कहते हैं कि हम गरीबों के घर तक गैस, राशन, मकान पहुंचा रहे हैं, लेकिन अब गरीबों को यह भी सोचना पड़ेगा कि जिनके खुद के तीन मंजिला मकान हैं, वे किसके नाम पर सरकारी योजना का लाभ ले रहे हैं। सत्ता का रौब ऐसा है कि गरीबों की जगह अब अमीरों ने गरीबी का ब्रांड संभाल लिया है।

'अब असली गरीब कहां जाए?'

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि ऐसे लोगों के नाम सूची में बने रहेंगे, तो वास्तविक गरीबों को कभी उनका हक नहीं मिलेगा। योजनाएं उसी के नाम पर चलेंगी, जो गरीबी की आड़ में अमीरी की दुकान चला रहे हैं। अब यह तय करना मुश्किल हो गया है कि यह गरीबी रेखा है या नेताओं की शेखी रेखा, जहां पहुंचना आम आदमी का सपना है और सत्ता वालों का अधिकार। जयसिंहनगर में यह मामला उस सच्चाई को उजागर करता है, जिसमें नेताओं की गरीबी केवल सरकारी कागजों में है, जबकि असली गरीब सिर्फ भूख और बेरोजगारी में जी रहा है।

एसडीएम बांधवगढ़ ने ग्राम धनवार में सर्वे कार्य का किया निरीक्षण

उमरिया। जिले में 2 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक संचालित दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तहत एसडीएम बांधवगढ़ एवं जनपद सीईओ करकेली हरनीत कौर कलसी ने जनपद पंचायत करकेली के ग्राम धनवार में सर्वे का निरीक्षण किया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए।
उन्होने कहा कि किसानों की पशु पालन से आय बढाने और दुग्ध उत्पादन को दो गुना करने के लक्ष्य को पूरा करने के उद्देश्य से यह अभियान पशुपालन विभाग द्वारा शुरू किया गया है।अभियान तीन चरणो में आयोजित किया जा रहा है। प्रथम चरण में यह अभियान 2 से 9 अक्टूबर 2025 तक चलाया जा रहा है । अभियान के तहत पशुपालकों को पशुओं की नस्ल सुधार, बेहतर पोषण, और स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी जा रही है ताकि उनकी आय में बढ़ोत्तरी हो सके।इसके साथ ही आवश्यक पोषण आहार, बीमारी से बचाव, कृमि नियंत्रण, संक्रामक रोग, टीकाकरण, पशुपालन से संबंधित आर्थिक लाभ,साइलेंज बनाना आदि के बारे में कृषकों को बताकर जागरूक किया जा रहा है। इस अवसर पर उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डा के के पांडे सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे ।

आंगनबाड़ी में आयोजित किया गया कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज **कोतमा।** कोतमा के वार्ड नम्बर 09 के आंगनबाड़ी मे कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे सहयोगी शौर्य दल सदस्य, गर्भवती धात्री माता, किशोर, किशोरी, कार्य0 नाज़रा बेगम, सदस्य दुर्गा बाई, पूजा केवट, जाफिरान, ज्योति बैरागी, पलक बैरागी, माया प्रजापति तथा अन्य महिलाएं सम्मिलित हुईं।

मद्य निषेध सप्ताह पर कार्यक्रम संपन्न

उमरिया।

मद्य निषेध सप्ताह पर जिला जेल उमरिया में नशा मुक्त अभियान कार्यक्रम का आयोजन प्रथम श्रेणी न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मोहन डाबर के मुख्य आतिथ्य में किया गया।
इस अवसर पर नशा मुक्ति की शपथ दिलाते हुए कहा कि नशा नाश का कारण है जिससे कई परिवार बिखर जाते हैं ।नशा करने से कई प्रकार की बीमारियां उत्पन्न होती है , इसलिए आवश्यक है कि नशे से दूरी बनाकर रखें तथा अपने चित परिचितों को भी नशा नही करनें की सलाह दें ।
इस अवसर पर एसडीएम बांधवगढ़ सुश्री हरनीत कौर कलसी, एलडीएम सेवकराम सोनवानी , डा. मुकुल तिवारी, प्रणाली पेषे,मनोज श्रीवास्तव, जेल अधीक्षक डी.के सारस, जेलर माखन सिंह मार्को, अमन कुमार दुबे उपसंचालक पंचायत एवं सामाजिक न्याय विभाग उपस्थित रहे ।

गोहपारू जनपद में आरटीआई एक्ट का मखौल

भ्रष्टाचार ढकने का नया तरीका बना 'सूचना का अधिकार'

शहडोल।

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005, जिसे देश के आम नागरिक को शासन-प्रशासन के हर स्तर पर पारदर्शिता दिलाने के लिए बनाया गया था, अब जिले की गोहपारू जनपद में मजाक का विषय बन गया है। कानून साफ कहता है कि जानकारी न देना या अधूरी व भ्रामक जानकारी देना दंडनीय अपराध है, लेकिन यहां के जिम्मेदार अधिकारी इस एक्ट को अपनी जेब की किताब बना बैठे हैं। जनपद पंचायत गोहपारू और उसके अधीन आने वाली अधिकांश ग्राम पंचायतों में सूचना के अधिकार के तहत न तो जानकारी दी जा रही है और न ही कानून का पालन किया जा रहा है। स्थिति यह है कि करीब 90 फीसदी आरटीआई आवेदन अपील की राह पकड़ लेते हैं, फिर भी प्रशासन की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ता। जिन अधिकारियों को जनता के प्रति जवाबदेह होना चाहिए, वे ही अब सूचना देने से बचने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाने लगे हैं।

नहीं लगेगी ग्राम पंचायत की आरटीआई

गोहपारू जनपद के मुखिया ने एक मौखिक फरमान जारी कर रखा है कि ग्राम पंचायतों से संबंधित कोई भी सूचना जनपद स्तर पर नहीं दी जाएगी। यानी, अगर किसी ने ग्राम पंचायत से जुड़ा मामला पूछा है तो, उसे पंचायत के सचिव के पास भेज दिया जाएगा। अब जनपद के मुखिया को शायद यह जानकारी नहीं है कि ग्राम पंचायतों की स्थिति यह है कि जब लोग सूचना मांगने पहुंचते हैं, तो सचिव गायब मिलते हैं। अगर मिल भी जाएं तो आवेदन तो ले लेते हैं, लेकिन जवाब नहीं देते। यह न तो लापरवाही है, न अज्ञानता, बल्कि यह एक सुनियोजित ढाल है, जिसके पीछे चल रहा है फर्जी बिलों, घटिया निर्माण, और योजनाओं में हेराफेरी का खेल।

मुखिया की ढाल में फल-फूल रहा भ्रष्टाचार

गोहपारू जनपद का माहौल ऐसा हो चुका है कि जहां ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार का 'रेला' बह रहा है, वहीं जनपद के मुखिया स्वयं इस तंत्र की ढाल बन गए हैं। जिनके ऊपर निगरानी की जिम्मेदारी है, वही अब सुरक्षा कवच बनकर बैठे हैं। भारतीय जनता पार्टी के मंचों से भ्रष्टाचार मिटाने और पारदर्शिता की बातें तो खूब की जाती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति उलट है। गोहपारू जैसे जनपदों में भाजपा शासनकाल में ही आरटीआई एक्ट का सबसे ज्यादा मखौल उड़ाया जा रहा है। वहीं विपक्ष में बैठी कांग्रेस भी इस गंभीर मुद्दे पर पूरी तरह मौन साधे हुए है।

जनता परेशान, अधिकारी बेलगाम

आरटीआई लगाने वाले लोगों को तरह-तरह से परेशान किया जा रहा है। कुछ मामलों में तो आवेदकों को ब्लैकमेलर कहकर बदनाम करने की कोशिशें भी शुरू हो गई हैं। जानकारों का कहना है कि अगर कोई ब्लैकमेल करता है तो यह अपराध है, लेकिन सवाल यह है कि अगर कोई अधिकारी साफ-सुथरा है, तो जानकारी देने से डर क्यों रहा है? आखिर क्या ऐसा छिपा है, जो उजागर होने पर उनका दामन दागदार हो जाएगा?

मीटिंगों की नसीहत

हर सप्ताह जिला स्तर पर बैठकों में पारदर्शिता, जवाबदेही और आरटीआई अनुपालन पर समझाइश दी जाती है, लेकिन जैसे ही अधिकारी मीटिंग हॉल से बाहर निकलते हैं, सारे निर्देश हवा में उड़ जाते हैं। न जनपद में मॉनिटरिंग, न जवाबदेही, और न ही कोई कार्यवाही। नतीजा—कानून सिर्फ फाइलों में, और जनता केवल इंतजार में। सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 20 के तहत गलत या अधूरी जानकारी देने पर सख्त दंड का प्रावधान है, जुर्माना से लेकर सेवा में अनुशासनात्मक कार्रवाई तक। लेकिन गोहपारू जनपद में यह धारा शायद किसी को याद नहीं। यहां तो अधिकारी खुद तय कर रहे हैं कि कब, कौन-सी जानकारी देना है, और किसे ठुकरा देना है।

आरटीआई हुआ भ्रष्टाचार का 'दर्पण'

सूचना का अधिकार कोई उपकार नहीं है, यह जनता का संवैधानिक अधिकार है। फिर भी विभाग इसे एहसान की तरह पेश कर रहा है। गोहपारू जनपद की हकीकत यह है कि यहां आरटीआई भ्रष्टाचार का दर्पण बन चुकी है, जिसमें झांकने की हिम्मत किसी में नहीं। जिनके पास कानून लागू कराने की जिम्मेदारी है, वही इसे कुचलने में लगे हैं। अब वक्त आ गया है कि प्रशासन और शासन दोनों इस रवैये पर न केवल सवाल उठाएं, बल्कि कार्रवाई भी करें, वरना सूचना का अधिकार सूचना का अधिकार नहीं, बल्कि सूचना से इंकार का कानून बनकर रह जाएगा।

इनका कहना है...

ग्राम पंचायत की जानकारी के लिए ग्राम पंचायत देंगे, अपील जनपद में होगी, अगर ग्राम पंचायत द्वारा जानकारी नहीं दी जा रही है तो, इस मामले को दिखवाते हैं, लापरवाही होने पर कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी।

सुधीर दिनकर
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत गोहपारू

नपा ने की अवैध निर्माण तोड़ने की कार्यवाही

शहडोल।

नगर पालिका शहडोल द्वारा बुढार रोड ओपीएम बाड़ा स्थित अवैध निर्माण को तोड़े जाने की कार्यवाही की गई। उक्त अवैध निर्माण विजय लहोरनी द्वारा किया जा रहा था। मुख्य नगर पालिका अधिकारी अक्षत बुंदेला ने बताया कि नगर पालिका द्वारा उन्हें लगभग एक वर्ष से अवैध निर्माण न किए जाने की समझाइश लिखित एवं मौखिक रूप से दी जा रही थी। किंतु अवैध निर्माणकर्ता के द्वारा अवैध निर्माण बंद ना करते हुए उसे जारी रखा गया तथा बार-बार नोटिस दिए जाने के बाद भी ना तो कोई जवाब प्रस्तुत किया गया ना ही अवैधानिक निर्माण के अनुज्ञा प्राप्त की गई थी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी अक्षत बुंदेला द्वारा बताया कि भविष्य में जो भी भवन निर्माण करता है, वे नगरपालिका से भवन की स्वीकृत लेने के पश्चात ही निर्माण कार्य करें अन्यथा नगर पालिका अवैध निर्माण कार्य को हटवाया जाएगा। अवैध निर्माण कार्य हटवाने की कार्यवाही में नगर पालिका के शरद द्विवेदी, पुनीत त्रिपाठी, राजस्व प्रभारी, वाहन प्रभारी एवं नगर पालिका एवं पुलिसकर्मी की भूमिका रही।

कलेक्टर ने मेडिकल कॉलेज का किया निरीक्षण

पोवीडोन आयोडीन के संक्रमण से प्रभावित मरीजों से की मुलाकात

शहडोल।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने शासकीय बिरसा मुंडा चिकित्सा महाविद्यालयशहडोल का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रसूति वार्ड का जायजा लिया तथा भर्ती मरीजों से उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की। पोवीडोन आयोडीन दवाई से प्रभावित मरीजो से संक्रमण के संबंध में जानकारी प्राप्त की। वार्ड में लगभग 50 प्रसूता महिलाएं भर्ती थी, जिनमें से 2 महिलाओ में संक्रमण की शिकायत पाई गई। कलेक्टर ने चिकित्सको से संक्रमण के संबंध में जानकारी प्राप्त की। अधीक्षक मेडिकल कॉलेज डॉ. नागेंद्र सिंह ने बताया कि दवाई का उपयोग का संक्रमण कुछ ही मरीजो पर पाया गया है। प्रतिदिन औसतन 20 से 25 डिलेवरी होती है, जिनमें 10 से 12 डिलेवरी सीजर ऑपरेशन से होती है। विगत एक सप्ताह में 2 मरीजो में यह संक्रमण पाया गया है। कलेक्टर ने चिकित्सको को निर्देश दिए कि संक्रमित मरीजो के संक्रमण वाले स्थानो की सैपलिंग लेकर लेब्रोरेटरी में सैंपल भेजकर संक्रमण की वास्तविक जानकारी प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने संक्रमण के संबंध में त्वचा रोग विशेषज्ञ से भी जानकारी ली। साथ ही कलेक्टर ने जांच रिपोर्ट आने तक पोवीडोन आयोडीन से संक्रमण हुआ है, उसका उपयोग नही करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीन मेडिकल कॉलेज डॉ. गिरीष बी रामटेके, अधीक्षक मेडिकल कॉलेज डॉ. नागेद्र सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा, डॉ. अवतार जयसिंघानी, डॉ. कबीर पंथी सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने मेडिकल कॉलेज कैंपस में संचालित अमृत फार्मेसी दुकान का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश मेडिकल कॉलेज के चिकित्सको को दिए। डॉ. सिंह ने कहा कि शासन द्वारा जिन दवाईयो पर प्रतिबंध लगाया गया है, उन दवाईयो का उपयोग न किया जाए। इसके साथ ही कलेक्टर ने मेडिकल कॉलेज की साफ-सफाई व्यवस्था तथा बायोमेडिकल वेस्ट के निदान के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ एवं स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

एसडीएम ने पशुपालकों के घर पहुंचकर किया सत्यापन

उमरिया। दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तहत एसडीएम पाली अंबिकेश प्रताप सिंह ने पाली जनपद पंचायत के ग्राम मलहदू में कृषको से संपर्क कर उन्हें अभियान की जानकारी दी । उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा अनुरूप किसानों की पशुपालन के माध्यम से आय बढ़ाने के लिए जिले भर में 2 अक्टूबर से दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान के अंतर्गत गाँव-गाँव पशुपालकों से व्यक्तिशः सम्पर्क किया जा रहा है और उन्हें पशुओं में नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में जागरूक किए जाने के साथ आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है। अभियान का संचालन 3 चरणों में किया जाएगा।
उन्होने विकास खण्ड पाली के ग्राम मलह्दू में पशुपालक कमलेश सिंह, पाली वार्ड नम्बर 10 में गंगा सिंह,रवि यादव,ओमप्रकाश यादव के घर जाकर पशुपालन विभाग द्वारा चलाए जा रहे दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के सर्वे कार्य का सत्यापन किया। विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी ली तथा पशु पालकों को दूध से सम्बंधित उत्पाद तैयार कर लाभ लेने की बात पशुपालकों से कही।इस अवसर पर डॉक्टर डी पी द्विवेदी,श्रीमती प्रज्ञा सेन्द्रा एव्हीएफओ व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

जिले में 0.3 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 0.3 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र अमरकंटक में 2.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर, कोतमा, बिजुरी, जैतहरी, वेंकटनगर, पुष्पराजगढ़ तथा बेनीबारी में वर्षा निरंक दर्ज गई।

भीम आर्मी ने अनिल मिश्रा का पुतला फूंका

कटनी। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले अधिवक्ता अनिल मिश्रा के विरोध में भीम आर्मी भारत एकता मिशन ने बड़वारा में पुतला दहन कर प्रदर्शन किया। जिला उपाध्यक्ष जयचंद सूर्यवंशी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री एवं ग्वालियर खंडपीठ के नाम ज्ञापन सौंपकर देशद्रोह, एससी-एसटी व आईटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

बर्सी मेला आयोजन स्थल पर साफ-सफाई

कटनी। माधव नगर में बाबा माधव शाह बर्सी मेला के दो दिवसीय आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी एवं निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देश पर माधवनगर में आयोजित कार्यक्रम स्थल के आस-पास की विशेष साफ-सफाई, चूने की लाईनिंग एवं कीटनाशक दवा का छिड़काव हेतु रात्रिकालीन 10 कर्मचारियों की ड्यूटी अपने कार्य के साथ-साथ तत्काल प्रभाव से लगाई गई है। इस संबंध में स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी द्वारा जारी आदेश के अनुसार उक्त कार्य हेतु प्रभारी वार्ड दरोगा विनय अर्खेल को प्रभारी एवं रवि छोटेलाल को सहयोगी के रूप में नियुक्त करते हुए 10 कर्मचारियों के दल का गठन का गठन किया गया है। इसके साथ ही हांका गैंग प्रभारी को हांका टीम में संलग्न कर्मचारियों को कार्यक्रम स्थल के आसपास तैनात करते हुए मार्गो से आवारा मवेशियों पर नियंत्रण की कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है।

एआरटीओ ने वसूला 10 हजार का समन शुल्क

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर अतिरिक्त आरटीओ संतोष पॉल ने जिले में ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट वाली बसों की आकस्मिक जांच की। जांच के दौरान एमपी 41 जेड एफ 9068 नंबर की बस को बारात परमिट पर सवारियों को ले जाते हुए पाया गया। इसके आधार पर परिवहन नियमों के उल्लंघन के आरोप में 10,000 का समन शुल्क लगाया गया। विभाग ने इस कार्रवाई को नियमों के पालन और यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम बताया। अधिकारियों ने कहा कि ऐसी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। संबंधित बस मालिक और चालक को आगामी समय में अन्य नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

दिव्यांगों के लिए शासकीय भवनों में बनाए जाएं रैंप

कटनी। वरिष्ठ पार्षद मिथलेश जैन ने मुख्य सचिव म.प्र. शाासन भोपाल को पत्र लिखकर मांग करते हुए कहा कि शासकीय भवनों में दिव्यांगों के आवागमन हेतु रैम्प बनाये जाने के निर्देश दिये जाएं एवं कलेक्टर कटनी को पत्र लिखकर कलेक्टर कार्यालय, जिला पंचायत कार्यालय, संयुक्त तहसील कार्यालय, नगर निगम में दिव्यांगों के आवागमन हेतु रैम्प बनाये जाने का उन्होंने निवेदन किया है। विदित हो कि Act 1995 में दिव्यांग व्यक्तियों को अन्य व्यक्तियों की भांति सुविधाए देने का प्रावधान किया गया है। म.प्र. शासन द्वारा भी समय-समय पर निर्देश दिये गये हैं कि शासकीय भवनों के निर्माण के समय दिव्यांग जनों के आवागमन की सुविधा हेतु रैम्प का निर्माण किया जावे। कटनी जिले में कलेक्ट्रेट भवन, नव निर्मित संयुक्त तहसीलदार कार्यालय भवन, नगर निगम एवं अन्य भवनों में दिव्यांग व्यक्तियों के सुगमता पूर्वक प्रवेश कर, आवागमन करने के लिए रैम्प का निर्माण नहीं किया गया है।

ट्रक यूनियन व्यवहारी द्वारा आमरण अनशन की दी चेतावनी

मऊ टोल प्लाजा पर ट्रक यूनियन ब्यौहारी द्वारा पांचवें दिन भी धरना जारी

जिले रीवा शहडोल राजमार्ग पर 35 किलोमीटर के अंदर दो-दो टोल प्लाजा लगाकर वसूली किए जाने की विरोध में ट्रक यूनियन व्यवहारी द्वारा विगत 5 अक्टूबर से मऊ टोल प्लाजा पर अनिश्चितकालीन धरना जारी है ।

ब्यौहारी शहडोल

लेकिन आज दिनांक तक शासन प्रशासन द्वारा ट्रक यूनियन के मांगों पर किसी तरह का निर्णय न हो पाने से ट्रक यूनियन के पदाधिकारी में भारी आक्रोश व्याप्त है ट्रक यूनियन अध्यक्ष मोनू सिंह ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि रीवा से मऊ टोल प्लाजा की दूरी लगभग 70 किलोमीटर है जिस पर किसी तरह का कोई टोल बैरियर नहीं लगाया गया जबकि व्यवहारी विधानसभा क्षेत्र में 35 किलोमीटर के अंदर दो-दो टोल प्लाजा लगाना गैर संवैधानिक है जिसका विरोध ट्रक यूनियन द्वारा धरना दिया जा रहा है लेकिन एम पी आर डी सी कुम्भकरणी निद्रा में लीन हैं जिससे ट्रक यूनियन के पदाधिकारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है ट्रक यूनियन ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि अगर 24 घंटे के अंदर प्रशासन द्वारा कोई सार्थक निर्णय नहीं लिया जाता तो अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरू किया जाएगा जिसकी समस्त जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी वही दूसरे पदाधिकारी गोल्डी सिंह ने कहा कि अगर समय रहते टोल नाका बंद नहीं किया जाता तो सभी ट्रक ओनर सभी ट्रकों की चाबी एम पी आर डी सी के कार्यालय में जमा कर दिया जाएगा इस आंदोलन का क्षेत्रवासियों का भरपूर समर्थन मिल रहा है अब आगे देखने वाली बात होगी कि एम पी आर डी सी द्वारा संचालित टोल नाका बंद किया जाएगा या फिर क्षेत्र वासियों को टोल टैक्स में छूट दी जाएगी

स्कूल वैन ने बाइक सवार को मारी टक्कर

ब्यौहारी-थाना देवलोंद के अंतर्गत वैष्णो पब्लिक स्कूल की स्कूल वैन ने सुबह 8 बजे 9/01/25 बाइक सवार को टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार की और उसके साथ एक और व्यक्ति जो था ठोकर लगने से उसका पैर टूट गया बाइक चालक रंजीत लोनी धारी नंबर 2 का रहने वाला है घटना सुबह 8:00 बजे की बताई जा रही है स्कूल वैन जनकपुर से बच्चों को लेकर के बुडवा आ रही थी और बाइक सवार बुडवा से जनकपुर की ओर जा रहा था ग्राम चौरी में एक साहू के घर के पास सुबह 8:00 बजे वैन ने बाइक सवार को ठोकर मार दिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार स्कूल वैन का बीमा और फिटनेस भी नहीं और स्कूली बच्चों को तो ढो रही थी लेकिन स्कूली मापदंडों के विपरीत बाहन में पीला रंग भी नहीं पोता हुआ इस तरह से बिना बीमा और फिटनेस की गाड़ियां दौड़ती हैं यदि कोई बड़ा हादसा हो जाता और बच्चों को गंभीर चोट लग जाती तो कौन जिम्मेदार होता परिवहन विभाग भले ही लाख दावे करेकी हम बराबर जांच कर रहे हैं लेकिन जमीनी हकीकत कुछ अलग ही है।

जिला जेल में विधिक साक्षरता शिविर का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार माननीय श्रीमती माया विश्वलाल, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनूपपुर की अध्यक्षता में जिला जेल अनूपपुर का औचिक निरीक्षण कर, विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में माननीय अध्यक्ष महोदया द्वारा बंदियो को उनके अधिकार के संबंध में विस्तार से जानकारी दी साथ ही निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह योजना के बारे में विस्तार से बताया। निरीक्षण के दौरान जेल के समस्त पुरूष एवं महिला बैरक का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में जेल के पाकशाला में बने खाने की गुणवत्ता, जेल की साफ-सफाई एवं बंदियों के स्वास्थ्य से संबधित चिकित्सा सुविधाएं एवं बंदियों के जेल के भीतर नियमानुसार मनोरंजन एवं पढाई से संबंधित दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में बंदियो से पूछा गया। साथ बंदियो से उनके न्यायालयीन प्रकरणों से संबंधित समस्यों के बारे में पूछा गया। निरीक्षण के दौरान विनोद कुमार वर्मा सचिव/न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर, बृजेश पटैल जिला विधिक सहायता अधिकारी, जिला जेल के चिकित्सालय अधिकारी/ कर्मचारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जेल के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

भक्ति में लीन धनपुरी: श्रीमद्भागवत कथा में झूमे श्रद्धालु

आज होगा श्री वामन चरित्र, श्री राम चरित्र एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का वाचन

धनपुरी।

वार्ड नंबर 4 सिद्दीकी कॉलोनी स्थित विकास लॉज के पास चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ में इन दिनों श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। मंगलवार, 7 अक्टूबर से प्रारंभ हुए इस आयोजन का आज चौथा दिवस है। शुक्रवार, 10 अक्टूबर को श्री वामन चरित्र, श्री राम चरित्र एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर आधारित कथा सुनाई जाएगी।राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कथा वाचक पंडित आचार्य श्री निशिकृष्णा पांडे जी महाराज (श्रीधाम वृंदावन) के सान्निध्य में कथा श्रवण करने श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। अमृतमय वाणी और भावपूर्ण भजनों से वातावरण भक्ति रस में सराबोर है। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के प्रसंग पर श्रोतागण नाचते-गाते भावविभोर हो उठते हैं।आयोजन स्थल पर शानदार बैठक व्यवस्था की गई है, जिससे श्रद्धालु सुगमता से कथा श्रवण कर रहे हैं। प्रतिदिन प्रसाद वितरण और मनमोहक झांकियाँ भक्तों को आकर्षित कर रही हैं। झांकियों में भगवान श्रीकृष्ण, श्रीराम, वामन अवतार और गोवर्धन लीला के अद्भुत चित्रण देखने को मिल रहे हैं।प्रतिदिन प्रातः 7 से 11 बजे तक पूजन एवं पारायण तथा दोपहर 3 बजे से हरि इच्छा तक कथा का आयोजन होता है। मुख्य श्रवणकर्ता श्री सोनी ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अपने परिवार सहित इस पावन कथा में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद, जलपान एवं भंडारे की उत्तम व्यवस्था की है।

गुफाओं की नगरी से विख्यात पांडव कालीन लखवरिया श्रीराम जानकी मंदिर में आकर्षक विद्युतीकरण तथा सी.सी. कैमरा लगवाये जाने लिया गया निर्णय

बुढार।

गुफाओं की नगरी से विख्यात अतिप्राचीन श्रीराम जानकी मंदिर लखवरिया ट्रस्ट की आहूत बैठक में मंदिर के सुव्यवस्थित व्यवस्था तथा मंदिर क्षेत्र की भूमियों पर किये गये अतिक्रमण के संदर्भ में आवश्यक विचार विमर्श कर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

श्रीराम जानकी मंदिर कार्यकारी न्यासधारी एवं तहसीलदार बुढार सुमित गुर्जर के गौरवमयी उपस्थित एवं मन्दिर ट्रस्ट के अध्यक्ष इंद्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई जिसमें ट्रस्ट के सदस्यों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

श्रीराम जानकी मंदिर लखवरिया ट्रस्ट पांडव कालीन अतिप्राचीन मंदिर में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं तथा क्षेत्रीय जनों को व्यवस्थित सुविधायें तथा सौंदर्यीकरण की दिशा में निरंतर रचनात्मक पहल कर रही है जिसका सार्थक परिणाम शैने-शैने आने लगा है और मंदिर के प्रति श्रद्धा एवं आस्था निरंतर बढ़ती जा रही है।

अतिप्राचीन श्रीराम जानकी मंदिर लखवरिया ट्रस्ट की बुधवार को आहूत बैठक में मंदिर ट्रस्ट ने मंदिर की आराजी में मनमाने ढंग से कुछ लोगों द्वारा किये गये अवैधानिक कब्जे को उनसे मुक्त करवाये जानें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया वहीं मंदिर में विद्युत व्यवस्था आकर्षक एवं व्यवस्थित रूप से तथा सी.सी. कैमरा लगवाये जानें का निर्णय लिया गया और इस कार्य की जिम्मेदारी समाजसेवी मनीष चमड़िया को सौंपा गया।

मंदिर ट्रस्ट की बैठक में लगातार दो बार सदस्यों की अनुपस्थिति पर पृथक की कार्यवाही संधारित किये जाने तथा मंदिर के स्थायी पुजारी के संदर्भ में तथा एवं मंदिर ट्रस्ट के समस्त सामानों को स्टॉक पंजी में संधारित किये जाने का निर्णय लिया गया, इस हेतु श्रीकांत तिवारी, हेमंत यादव तथा सीताराम चौधरी को संयुक्त रूप से जवाबदेही सौंपी गई।

मंदिर ट्रस्ट के न्यासधारी तहसीलदार सुमित गुर्जर ने आहूत बैठक में कहाकि - अतिप्राचीन मंदिर में श्रद्धालुओं को व्यवस्थित सुविधायें अर्जित करना अत्यावश्यक है, जिस दिशा में ट्रस्ट निश्चित ही पूर्ण प्राथमिकता से भरसक प्रयास करेगी।

मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष इंद्र कुमार तिवारी ने कहाकि - सुप्रसिद्ध मंदिर में श्रद्धालुओं को अच्छी सुविधायें अर्जित कराने की दिशा में ट्रस्ट का रचनात्मक प्रयास निरंतर बना हुआ है और आने वाले समय में यह मंदिर विकास की नित नयी ऊंचाईयां हासिल करेगा ऐसा पूर्ण विश्वास है।

श्रीराम जानकी मंदिर लखवरिया ट्रस्ट की बैठक में - नायब तहसीलदार मनोज सिंह, मीना सिंह, पटवारी हल्का लखवरिया, सेवानिवृत्ति उप पुलिस अधीक्षक मनोज सिंह बघेल, पत्रकार - मोहन नामदेव, समाजसेवी मनीष चमड़िया, हीराचंद तिवारी, श्रीकांत तिवारी, हेमन लाल यादव, देवी प्रसाद तिवारी, सीताराम चौधरी, सतनू बैगा की उपस्थिति रही।

जिले के 1890 पशुपालकों से किया गया संपर्क

गांव-गांव जाकर किया जा रहा संवाद

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

प्रदेश के साथ-साथ जिले में संचालित ''दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान'' अंतर्गत जिले के पशुपालकों को जागरूक करने के उद्देश्य से पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा गांव-गांव जाकर संवाद किया जा रहा है। अभियान के दौरान पशुपालन विभाग के अधिकारी एवं मैत्री कार्यकर्ताओं की टीमों द्वारा पशुपालकों को पशु स्वास्थ्य, पोषण, नस्ल सुधार एवं दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी जा रही है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक डॉ. बी. बी. चौधरी ने बताया कि अब तक जिले के 428 ग्रामों के कुल 1890 पशुपालकों से संपर्क स्थापित किया गया है। राज्य से नियुक्त नोडल अधिकारी व कार्यपालिक संचालक डॉ. राजू रावत, दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान के जिला नोडल डॉ. लोकेश कुमार मोहबे तथा संयुक्त संचालक संभाग रीवा डॉ. डी. एस. बघेल द्वारा भी जिले के ग्रामों में भ्रमण कर पशुपालकों से सीधा संवाद एवं सत्यापन का कार्य किया जा रहा है। सभी पशुपालकों को डेयरी योजना व केसीसी योजना आदि की जानकारी देने के साथ ही यह भी जानकारी दी जा रही है कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन में दोगुनी वृद्धि करना है। सभी ग्रामों में दुग्ध समिति का गठन किया जाएगा तथा ग्राम को मिल्क रूट में लाया जाएगा। जिससे दुग्ध संकलन और प्रसंस्करण बढ़ेगा व नवीन रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। साथ ही कृषक पशुपालक की आय में वृद्धि होगी।

बिजुरी पुलिस ने 1 टन स्क्रैप किया जप्त

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

पुलिस अधीक्षक मोती उर्र रहमान के द्वारा अवैध गतिविधियों पर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया जिसके परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जगन्नाथ मरकाम एवं एस.डी.ओ.पी. कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के मार्गदर्शन में नियमित कार्यवाही की जाती है। बिजुरी पुलिस द्वारा 8 अक्टूबर को मुखबिर सूचना पर लोहसरा रोड जाफर ट्रेडर्स के पास एक सफेद रंग महिन्द्रा कंपनी की पिकअप सीजी 16 ए1706 को चेक किया गया जिसमें लोहे का कबाड स्क्रेब मिला तब ड्रायवर से नाम पता पूछने पर अपना नाम विजय कुमार सोनी पिता बसन्त लाल सोनी उम्र 45 वर्ष निवासी भालुगुडार थाना बिजुरी का होना बताया तथा उक्त वाहन मालिक आशीष कुशवाहा पिता शंकर कुशवाहा का होना बताया जिससे वाहन मालिक को मौके पर ही तलब किया गया तथा धारा 94 बीएनएसएस का नोटिस देकर जवाब चाहा गया जो जवाब में 8 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे वाहन चालक विजय कुमार सोनी के द्वारा चलाना बताया गया एवं उक्त वाहन के ट्राला में लोड लोहे का स्क्रेब कबाड लगभग एक टन को मौके पर कोई वैध दस्तायवेज प्रस्तुत नहीं किया। अतः उक्त वाहन तथा कबाड स्क्रेब को समक्ष गवाहान के समक्ष जप्त किया गया तो उक्त कबाड़ और पिकअप को चोरी की संपति होने के संदेह पर १०६ बी एन एस एस के तहत जप्त किया गया है मामला कायम कर जांच मे लिया गया। उक्त कार्यवाही में स्क्रेब कबाड की कीमत 28000 रुपये एवं वाहन पिअकप की कीमत 3 लाख रुपये कुल मशरुका 328000 रुपये जप्त किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बिजुरी निरीक्षक विकास सिंह, सउनि प्रभाकर पटेल, आर. लक्ष्मण डांगी, आर. प्रभाकर त्रिपाठी की उल्लेखनीय भूमिका रही।

खबर संक्षेप

खेल मैदान घोटाले में सीएम हेल्पलाइन में डाली फर्जी जानकारी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जनपद पंचायत जैतहरी की ग्राम पंचायत सिंघौरा में खेल मैदान समतलीकरण में कथित भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। इस मामले में सीएम हेल्पलाइन में एक झूठी जांच रिपोर्ट दाखिल कर शिकायत को बंद कर दिया गया वही पंचायत समन्वय अधिकारी हेमंत पैकरा ने दावा किया है कि उन्होंने कोई जांच नहीं की और उनके नाम का दुरुपयोग किया गया है। वर्ष 2023-24 में माध्यमिक विद्यालय परिसर में खेल मैदान के समतलीकरण के लिए 2 लाख 5 हजार रुपए स्वीकृत किए गए थे। शिकायतकर्ता राजेश यादव का आरोप है कि पंचायत द्वारा न तो वास्तव में समतलीकरण कराया गया और न ही मुरम डलवाई गई। राजेश यादव ने 28 सितंबर 2025 को इसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन में की थी। सीएम हेल्पलाइन में शिकायत के बाद, जांच का प्रतिवेदन जनपद पंचायत जैतहरी के पंचायत समन्वय अधिकारी हेमंत पैकरा के नाम से प्रस्तुत किया गया। इस प्रतिवेदन में शिकायतकर्ता के आरोपों को झूठा बताया गया और यह भी दर्शाया गया कि मास्टर रोल आवास योजना एवं खेल तालाब निर्माण कार्य में प्रदर्शित हो रहे हैं। हालांकि, जब हेमंत पैकरा से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कहा कि उन्हें सीएम हेल्पलाइन की कोई शिकायत मिली ही नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि जनपद पंचायत के एक बाबू ने मनमाने ढंग से उनका नाम जांच अधिकारी के रूप में इस्तेमाल कर झूठा प्रतिवेदन दिया है। शिकायत के अनुसार, बिना किसी मजदूर से कार्य कराए ही मास्टर रोल नंबर 17344, 5506, 17342, 15432, 15431, 15430, 15163 और 15008 भरकर कार्य की राशि निकाल ली गई। राजेश यादव ने आरोप है कि रोजगार सहायक, पंचायत सचिव और सरपंच पति ने मिलकर दूसरे व्यक्तियों के नाम पर जॉब कार्ड का उपयोग कर यह राशि हड़प ली।

पुलिया से लोहे के एंगल चोरी कर चोरों ने पुलिस को दी चुनौती

हरिभूमि न्यूज राजनगर। रामनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत नगर परिषद डूमरकछार के वार्ड क्रमांक 2 में चोरों ने बीती रात नाले के ऊपर बनी पुलिया से लोहे के सपोर्टिंग एंगल चोरी कर लिए। घटना रात लगभग 3 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार पुलिया के किनारे लगे लोहे के एंगल जो पुलिया को सहारा देते थे, उन्हें चोर काटकर ले गए। यह घटना उस समय हुई जब पुलिस लगातार नगर में गश्त कर रही थी। इसके बावजूद चोरी की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि नगर में लगातार चोरियां बढ़ रही हैं, और पुलिस की गश्त के बावजूद चोरों के हौसले बुलंद हैं। लोगों का कहना है कि चोरों को न तो पुलिस का भय है और न ही किसी प्रकार का डर। पूर्व में भी बाबू लाइन क्षेत्र में दिनदहाड़े लाखों रुपये के जेवरात चोरी किए जाने की घटना हो चुकी है। दिन के समय हुई उस चोरी के बाद से ही महिलाओं में भय का माहौल बना हुआ है। नागरिकों ने मांग की है कि पुलिस गश्त को और प्रभावी बनाया जाए तथा नगर में हो रही चोरी की घटनाओं पर जल्द से जल्द रोक लगाई जाए।

एक सप्ताह से पीने के पानी को तरस रहे ग्रामीण

अनूपपुर। जिले के कोतमा विकास खंड के ग्राम क्योटार में 14 लाख रुपए की लागत से बनी नल-जल योजना ठप हो गई है। इस योजना का उद्देश्य ग्राम पंचायत भाटाडांड के तहत हर घर में शुद्ध पेयजल पहुंचाना था, लेकिन लाखों खर्च करने के बाद भी ग्रामीणों को पिछले एक हफ्ते से पीने का पानी नहीं मिल रहा है। ठेकेदार की लापरवाही के कारण नल-जल योजना के लिए बनी पानी की टंकी में लीकेज हो गई है। इसके साथ ही, जगह-जगह पाइपलाइन में भी रिसाव के कारण पानी की आपूर्ति पूरी तरह से बाधित है। **शिकायत के बाद भी सुनवाई नहीं-** ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने इस समस्या के बारे में कई बार सरपंच को सूचित किया, लेकिन उनकी शिकायत पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। इस वजह से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है। ग्राम सरपंच ओमवती सिंह पाव ने इस मामले पर कहा है कि ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि पानी की टंकी की मरम्मत का काम जल्द ही पूरा किया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को जल्दी ही पानी उपलब्ध हो सके।

करवा चौथ पर बाजार में सजी

रंग-बिरंगी चूड़ियों व पूजन सामग्री की दुकान

सिद्धि योग और शिववास योग का बन रहा शुभ संयोग

करवा चौथ के एक दिन पूर्व गुरुवार को महिलाओं की बाजार में भारी भीड़ देखी गई। पति की दीर्घायु की कामना का पर्व करवा चौथ आज मनाया जाएगा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। महिलाओं में करवाचौथ को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। करवा चौथ पर जिले के बाजार सज गए हैं। एक दिन पूर्व गुरुवार को बाजारों में सुहागिन महिलाओं ने जमकर खरीदारी की। इसके चलते बाजार देर रात तक गुलजार रहे। ऐसे में अभी से महिलाएं तैयारी में जुटी हुई हैं, जिससे बाजार गुलजार हो गए हैं। सौंदर्य प्रसाधन की दुकानों पर भी महिलाओं की भीड़ देखने को मिल रही है। बाजारों में रौनक बढ़ने से दुकानदारों के चेहरे खिल उठे हैं। करवाचौथ के पर्व पर बाजार में रंग-बिरंगी चूड़ियों व पूजन सामग्री की दुकानें भी सजी हैं। महिलाओं की बाजार में भारी भीड़ देखी गई। इस व्रत में महिलाएं नए सूट व गहने का श्रृंगार कर पूजा करती हैं। महिलाएं इस दिन भगवान शिव-पार्वती, गणेश की पूजा करती हैं। महिलाएं जमकर खरीदारी कर रहीं हैं। नगर के गांधी चौक स्टेशन चौक पुराना स्टेट बैंक चौक में करवा एवं छलनी की दुकान सजी हुई है।

कई वैरायटी में उपलब्ध

करवा चौथ से पहले महिलाओं में मेंहदी लगवाने को लेकर होड़ देखी जा रही है। गुरुवार को बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाओं ने हाथों में मेंहदी लगवाई। करवा चौथ को लेकर महिलाओं में सजने-संवरने के अलावा मेंहदी का काफी क्रेज है। करवा चौथ का व्रत एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है, जिसे विशेष रूप से विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और स्वस्थ जीवन के लिए रखती हैं. यह व्रत कार्तिक महीने की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। इस व्रत के दौरान महिलाएं पूरे दिन उपवास करती हैं और रात में चंद्रमा को अर्घ्य देकर और अपने पति के हाथ से पानी पीकर व्रत तोड़ती हैं। इस व्रत का धार्मिक महत्व तो है ही, साथ ही यह पति-पत्नी के रिश्ते को और मजबूत बनाने में भी मदद करता है। पंडित अमन पाण्डेय के अनुसार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 9 अक्टूबर की देर रात 10:54 बजे शुरू होगी और 10 अक्टूबर को शाम 7:38 बजे समाप्त होगी। व्रत का समय सुबह 6:19 बजे से शाम 8:13 बजे तक रहेगा। चंद्रोदय का समय शाम 8:13 बजे है।

शुभ योग में व्रत का प्रभाव दोगुना

करवा चौथ पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 5:57 बजे से 7:11 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस वर्ष करवा चौथ पर सिद्धि योग और शिववास योग का शुभ संयोग बन रहा है। सिद्धि योग शाम 5:41 बजे तक रहेगा। इसके साथ ही शुक्रदित्य योग, बुध और मंगल की युति, तथा चंद्रमा का वृषभ राशि में संचरण जैसे ग्रह संयोग भी बन रहे हैं। इन योगों के संयोग से पूजा-पाठ और व्रत का प्रभाव दोगुना बढ़ जाता है।

दलालों ने बेच दी नगर पालिका की जमीन

नगर पालिका ने लिया संज्ञान तहसीलदार को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर में जमीन दलालों द्वारा नगर पालिका की भूमि पर अवैध कब्जा एवं फर्जी रजिस्ट्री कर उसे बेचने का गंभीर मामला सामने आया है। इस पर नगर पालिका अनूपपुर ने तत्काल संज्ञान लिया है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी प्रदीप झरिया ने इस संबंध में तहसीलदार को पत्र भेजकर नामांतरण रोकने एवं जांच की मांग की है। वहीं, पार्षद संजय चौधरी ने भी एसडीएम अनूपपुर को शिकायत सौंपते हुए संपूर्ण मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। जमीन दलालों द्वारा अवैध कब्जा एवं फर्जी रजिस्ट्री करवा नगर पालिका अनूपपुर की जमीन बेचने का मामला सामने आया।

नगर पालिका ने लिया संज्ञान

मुख्य नगरपालिका अधिकारी प्रदीप झरिया ने तहसीलदार को पत्र भेजा है वही पार्षद संजय चौधरी ने भी एसडीएम अनूपपुर से शिकायत की है। वार्ड क्रमांक 02 में स्थित शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे और फर्जी रजिस्ट्री के मामले में नगर पालिका परिषद अनूपपुर सक्रिय हो गई है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी प्रदीप झरिया ने इस गंभीर मामले में तहसीलदार अनूपपुर को पत्र भेजकर संबंधित भूमि का शासकीय सीमांकन कराने और नामांतरण प्रक्रिया तत्काल रोकने के निर्देश दिए हैं। मामला वार्ड नंबर 02 अंतर्गत अनूपपुर-सामतपुर सीमा पर स्थित खसरा नंबर 295 से जुड़ा है, जो नगर पालिका की शासकीय भूमि है। बताया जा रहा है कि इस भूमि पर कुछ व्यक्तियों जिसमें पूर्व पार्षद द्वारा फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अवैध रजिस्ट्री और विक्रय की कार्रवाई की जा रही थी। इस प्रकरण की जानकारी नगर पालिका को वार्ड 02 के पार्षद संजय चौधरी द्वारा भी अनुविभागीय अधिकारी अनूपपुर दी गई थी। उन्होंने शिकायत पत्र के माध्यम से अवैध रजिस्ट्री और कब्जे की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की थी। पार्षद की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मुख्य नगरपालिका अधिकारी प्रदीप झरिया ने प्रशासनिक स्तर पर त्वरित कदम उठाते हुए यह पत्र जारी किया। नगर पालिका द्वारा जारी पत्र की प्रति कलेक्टर अनूपपुर को भी प्रेषित की गई है, ताकि सीमांकन प्रक्रिया पारदर्शी रूप से संपन्न हो सके और नगर की शासकीय भूमि को किसी भी अवैध लेन-देन से सुरक्षित रखा जा सके।

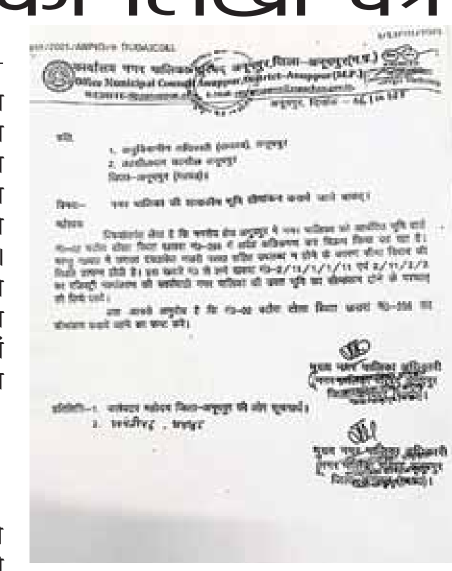

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना में जिले को किया जाए शामिल-विधायक

पूर्व मंत्री बिसाहूलाल सिंह ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री एवं अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक बिसाहूलाल सिंह ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास विभाग मंत्री भारत सरकार, नई दिल्ली शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर जिला अनूपपुर को भारत सरकार के "प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना" में सम्मिलित किये जाने की मांग की है। विधायक बिसाहूलाल सिंह ने अपने पत्र में लिखा है कि अनूपपुर जिला मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के सीमा में बसा हुआ है। यहाँ आधिकांशतः जनजातीय सामुदाय के लोग निवास कर रहे हैं, इनका मूल कार्य एवं व्यवसाय कृषि कार्य है। लेकिन यहाँ के कृषक गरीब होने के कारण कृषि कार्य को आधुनिक पध्दति से कृषि कार्य नही कर पाते। जिसके कारण इन्हे पर्याप्त मात्रा में कृषि से उत्पादन नही कर पाने से लाभ नही मिल पाता है और यहाँ के कृषक दिनो दिन आर्थिक रुप से कमजोर होते जा रहे है। जिस कारण से इन्हे अन्य प्रांतो के कृषको के भांति शासन की कृषि उपकरण, उपमिशन योजना, कृषि यंत्र सबसिडि योजना के तहत कृषको ट्रैक्टर, पावर टिलर, सीड ड्रिल, स्प्रेयर, डिस्क हल, नैपसैक स्प्रेयर, फसल कटाई की मशीन, उन्नत तकनीकी, कृषि क्षेत्र में आधुनिक कृषि तकनीकी, कृषि यांत्रिकीकरण प्रोत्साहन योजना का लाभ, फार्म मशीनरी बैंक के माध्यम से प्रोत्साहित करने, उच्च उपज वाले बीज और जैव प्रौद्योगिकी सटीक खेती जिसमें जीपीएस और सेन्सर जैसे तकनीक का उपयोग, उन्नत जल और पोषक तत्व प्रबंधन, एकीकृत कीट प्रबंधन, डिजीटल तकनीकी, वर्टिकल फार्मिंग हाइड्रोपोनिक्स एवं कृषको के बच्चे गरीबी के कारण कृषि संकाय का उच्च शिक्षा प्राप्त नही कर पाते है। जिनकी कृषि संकाय की पढ़ाई की व्यवस्था एवं बर्मिंग कम्पोस्ट (जैविक खाद) की कंपनी लगाया जाकर कृषि क्षेत्र में उत्तरोत्तर विकास व सिंचाई की व्यवस्था नही है। जिस कारण से जिला अनूपपुर को भारत सरकार के "प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना" में सम्मिलित कराये जाने की आवश्यकता है। विधायक बिसाहूलाल सिंह ने कहां की जिला अनूपपुर के कृषि के क्षेत्र में उत्तरोतर उन्नति एवं आधुनिक कृषि प्रणाली को बढ़ावा देते हुये कृषि कार्य को लाभ का धंधा बनाये जाने हेतु उपरोक्तानुसार सुविधाओ को दृष्टिगत रखते हुये भारत सरकार के "प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना" में जिला अनूपपुर को भी सम्मिलित कराया जाए। विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि विधायक बिसाहूलाल सिंह की मांग जायज है अनूपपुर जिले को भारत सरकार के प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना में जोड़ने से जिले के लाखों किसानों को इस योजना का लाभ मिलेगा।

योजना संबंधी जिला स्तरीय कार्यक्रम कल

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के शुभारंभ कार्यक्रम में भाग लेने हेतु मध्यप्रदेश के चयनित 8 जिलो में से अनूपपुर जिले को भी शामिल किया गया है। उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ 11 अक्टूबर को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया जाएगा। इसी अनुक्रम में योजना के संबंध में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 11 अक्टूबर को प्रातः 11.00 बजे से जिला पंचायत के सभागार में किया जाएगा।

शातिर चोर से एक लाख रुपए का सामान बरामद

बिजुरी पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

पुलिस अधीक्षक महोदय मोती उर्र रहमान के द्वारा गंभीर अपराधो के ऊपर पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया आदेशित की गई है जिसके अनुपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जगन्नाथ एवं एस. डी.ओ.पी. कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के मार्गदर्शन में गंभीर अपराधों पर बिजुरी पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही की जाती है। 7 अक्टूबर को फरियादिया सुश्री पुष्पा चौधरी पिता स्व. छोटईया चौधरी उम्र 49 वर्ष निवासी वार्ड नं. 10 सीएमपीडीआई कैम्प बिजुरी की थाना आकर रिपोर्ट लेख कराई कि मेरे मकान के पीछे बडा कुंआ बना है तथा कुंआ से लगा हुआ पम्प हाउस बना हुआ जिसमे खेत सिचाई के लिए मै 3 एचपी का मोनो ग्लाक कंम्पनी का मोटर पम्प पानी खींचने के लिए लगाई थी। 30/09/25 की रात मे 12 बजे मै मोटर चेक की तो लगा था सुबह करीब 06.00 बजे जाकर देखी तो पम्प हाउस का दरवाजा का ताला टूटा हुआ था और कोई अज्ञात चोर मोटर और मोटर मे लगा पम्प को चोरी कर ले गया रिपोर्ट पर अपराध धारा 331(4), 305 बीएनएस. कायम कर अनुंसधान मे लिया गया। प्रकरण सदर में तत्काल टीम बनाकर बिजुरी पुलिस द्वारा अनुसंधान किया गया और संदिग्ध आरोपीगण यदुनाथ प्रजापति पिता सम्हारू प्रजापति उम्र 21 वर्ष नि. सीएमपीडीआई कैम्प बिजुरी, राहुल सिंह बघेल पिता संतोष सिह पालक जयकरण सिंह उम्र 20 वर्ष निवासी मोहाडा दफाई, अमन बंसल पिता गोपी बंसल उम्र 20 निवासी मोहाडादफाई बिजुरी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने जुर्म स्वीकार किया और चोरी गई मोटर पंप को बरामद कराया तथा यदुनाथ प्रजापति के घर में एक पल्सर मोटरसायकल बजाज कंपनी की बिना नंबर को रखे होनो की सूचना पर आरोपी यदुनाथ प्रजापति को धारा 94 बीएनएसएस की नोटिस दी गई जो गाड़ी का कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जिसका 23 साक्ष्य अधिनियम मेमोरेन्डम लिया गया तथा मोटर सायकल को जप्त कर कब्जे पुलिस लिया गया। इस प्रकार शातिर चोरो से बिजुरी पुलिस ने करीब एक लाख रुपये कीमत के चोरी के सामान की बरामदगी की है और घटना के 24 घंटे के भीतर चोरो को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक विकास सिंह, उपनिरीक्षक विपुल शुक्ला, सहायक उपनिरीक्षक उदय प्रजापति, विश्वजीत मिश्रा, आरक्षक प्रभाकर त्रिपाठी, रामनिवास गुर्जर चालक आरक्षक करमजीत सिंह की उल्लेखनीय भूमिका रही।

कफ सिरप से मासूमों की मौत पर फूटा आक्रोश

कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च, मंत्री से मांगा इस्तीफा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

छिंदवाड़ा में जहरीली कफ सिरप से मासूम बच्चों की मौत के बाद प्रदेश भर में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस ने गुरूवार को अनूपपुर में कैंडल मार्च निकालकर सरकार और स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही पर गंभीर आरोप लगाए और बच्चों के मौत की जिम्मेदारी तय करने की मांग की। कैंडल मार्च कांग्रेस जिला अध्यक्ष गुड्डू चौहान के नेतृत्व में निकाला गया, जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मासूमों की मौत का जवाब दो, भ्रष्ट सरकार हाय-हाय, स्वास्थ्य मंत्री इस्तीफ़ा दो... जैसे नारे लगाए और सरकार के खिलाफ आक्रोश जताया। कैंडल की रोशनी में कार्यकर्ताओं का गुस्सा और जनता का दर्द साफ झलक रहा था। गुड्डू चौहान ने कहा कि छिंदवाड़ा की घटना ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की सच्चाई उजागर कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी अस्पतालों में बच्चों को जो कफ सिरप दी गई, वह दवाई नहीं, बल्कि जहर थी। यह त्रासदी सरकार की लापरवाही और भ्रष्टाचार का परिणाम है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री को जिम्मेदार ठहराते हुए इस्तीफे की मांग की। श्री चौहान ने कहा कि अब तक कार्रवाई सिर्फ डॉक्टरों और दवा कंपनी तक सीमित है, जबकि दवा खरीद और टेंडर प्रक्रिया में शामिल अधिकारी और मंत्री भी दोषी हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जो लोग भोपाल में बैठकर करोड़ों के टेंडर पास करते हैं, उन्हें क्यों बचाया जा रहा है? उन्होंने प्रदेश की बिगड़ती स्वास्थ्य सेवाओं पर चिंता जताते हुए कहा, "यह कोई पहली घटना नहीं है। इंदौर के एम. बाय अस्पताल में चूहों के काटने से दो बच्चों की मौत हुई थी। ऐसी घटनाएं बताती हैं कि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है और सरकार संवेदनहीन हो गई है।

टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के संबंध मे बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिला क्षय कार्यालय अनूपपुर सभागार में बुधवार को प्रमुख जिला टीबी ऑफिसर डॉ एस सी रॉय की अध्यक्षता में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम से संबंधित मीटिंग रखी गई। जिसमें अनूपपुर ब्लाक के सभी एनटीईपी एसटीएस, एसटीएलएस सम्मिलित हुए। मीटिंग का मुख्य उद्देश्य टीबी जाँच के लिए ज्यादा से ज्यादा टीबी स्क्रीनिंग करना, एक्स-रे की संख्या, नाट साइट पर जांच की संख्या बढ़ाना, नाट मशीन पर ही टीबी बलगम की जांच की जाए। साथ मे आभा फेश रीडिंग का प्रशिक्षण भी दिया गया। टीबी की दवा ले रहे मरीजो का एचआईवी, मधुमेह की जांच रिपोर्ट निश्चय में नियमित एंट्री करना आवश्यक है। टीबी मुक्त ग्रामपंचायत अभियान के अंतर्गत ज्यादा से ज्यादा टीबी के मरीजों की खोज कर जांच किया जाए। सभी हेल्थसेन्टर मे कार्यरत सीएचओ के द्वारा टीबी की स्क्रीनिंग कर टीबी से संबंधित लक्षण प्राप्त मरीजो का बलगम सेम्पल प्राइवेट संस्था पीपीएसए के द्वारा टीबी जाँच केंद्र (डीएमसी) में भेजना सुनिश्चित करने को कहा गया। इस दौरान जिलाकार्यक्रम समन्वयक राजेश पटेल, देवेन्द्र जायसवाल, ज्योति गुप्ता नोडल, शिवकुमार नामदेव, रमेश प्रजापति, सुनन्दा मौर्या, गायत्री बंजारा, प्रियंका सिंह, श्याम सिंह पड़वार, कमलेश विश्कर्मा, सोहराब अली अंसारी, मनिराम, नरेश शाक्य, उत्तम द्विवेदी आदि लोग उपस्थित रहे। सभी को मिलकर एक टीम की तरह काम करने का निर्देश भी दिया गया।